

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)

भारतसरकार

\*\*\*\*\*

‘हरकामदेशकेनाम’

नई दिल्ली: श्रावण 25, 1944

मंगलवार: 16 अगस्त 2022

रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय सेना को स्वदेशी रूप से विकसित उपकरण और प्रणालियां सौंपीं;

अत्याधुनिक उपकरणों में फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर, नई पीढ़ी की कार्मिकरोधी सुरंग, टैंकों के लिए उन्नत दर्शा प्रणाली, उच्च गतिशीलता इन्फैंट्री संरक्षित वाहन और प्रहार नौकाएं शामिल

इन प्रणालियों से सेना की संक्रियात्मक तैयारी में वृद्धि होगी: श्री राजनाथ सिंह

सशस्त्र सेनाओं को भविष्य की चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित अवसंरचना के विकास का आह्वान किया

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 अगस्त 2022 को नई दिल्ली में भारतीय सेना को स्वदेशी रूप से विकसित उपकरण और प्रणालियां सौंपीं। इनमें फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर एज ए सिस्टम (एफ-इनसास), नई पीढ़ी की कार्मिक रोधी सुरंग 'निपुण', बड़ी हुई क्षमताओं के साथ विषम/रग्ड और स्वचालित संचार प्रणाली, टैंकों के लिए उन्नत दर्शा प्रणाली और उन्नत थर्मल इमेजर शामिल हैं। रक्षा मंत्री द्वारा सीमाओं पर तैनात सैनिकों को किसी भी चुनौती का उचित तरीके से जवाब देने में सक्षम बनाने हेतु अत्याधुनिक उच्च गतिशीलता इन्फैंट्री संरक्षित वाहन और प्रहार नौकाओं को आभासी रूप में सौंपा गया था। 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय सेना ने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और उद्योग जगत के सहयोग से संयुक्त रूप से इन उपकरणों/प्रणालियों को विकसित किया है।

श्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि उपकरण और प्रणालियां भारतीय सेना की संक्रियात्मक तैयारी को बढ़ाएंगी और उनकी दक्षता में वृद्धि करेंगी। उन्होंने कहा कि यह निजी क्षेत्र और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी में देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता कौशल का एक शानदार उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि सशस्त्र सेनाओं की बुनियादी ढांचागत जरूरतें लगातार बदलते समय के साथ बढ़ रही हैं। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सशस्त्र सेनाओं को तैयार रहने में मदद करने के लिए नवीनतम तकनीक पर आधारित अवसंरचना के विकास का आह्वान किया। उन्होंने सशस्त्र सेनाओं से उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया।

भारतीय सेना को सौंपे गए उपकरणों और प्रणालियों का विवरण इस प्रकार है:

फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर एज ए सिस्टम

फ्यूचर इन्फैंट्री सोलजरको तीन प्राथमिक उप प्रणालियों से लैस किया जा रहा है। पहली उप प्रणाली दिन और रात होलोग्राफिक और अनैच्छिक दर्शाओं के साथ असॉल्ट राइफल की आधुनिक स्थिति है। परिचालन स्थितियों में 360 डिग्री दृश्यता और सटीकता को सक्षम करने के लिए हथियार और हेलमेट पर भी दर्शाएं लगाई जाती हैं। प्राथमिक हथियार प्रणाली के अलावा, सैनिकों को मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड के साथ भी सुसज्जित किया जाएगा जिसे बहुउद्देश्यीय चाकू/नाइफ के साथ स्वदेशी रूप से खरीदा भी गया है।

दूसरी उप प्रणाली सुरक्षा प्रणाली है। यह विशेष रूप से डिजाइन किए गए हेलमेट और बुलेट प्रूफ जैकेट के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है। तीसरी उप-प्रणाली में संचार और निगरानी प्रणाली शामिल है। यह एफ-इनसास प्रणाली वास्तविक समय डेटा कनेक्टिविटी को शामिल करके आगे उन्नयन करने में सक्षम है।

### कार्मिकरोधी सुरंग'निपुण'

लंबे समय से भारतीय सेना ब्रिटेज एनएमएम 14माइन्स का इस्तेमाल कर रही है। आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान, पुणे और भारतीय उद्योग के प्रयासों से, 'निपुण' नामक एक नई भारतीय सुरंग/माइन्स विकसित की गई है। यह सीमाओं पर सैनिकों को प्रदान की जाने वाली सुरक्षा को बढ़ाएगा। यह सुरंग मौजूदा कार्मिक रोधी सुरंग की तुलना में अधिक शक्तिशाली और प्रभावी है।

### हैंड हेल्ड थर्मल इमेजर (अनकूल्ड)

यह उपकरण निगरानी और पता लगाने के लिए है। यह दुश्मन की आवाजाही और गतिविधियों का पता लगाने के लिए सैनिकों को दिन एवं रात दोनों में और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में दृश्यता प्रदान करता है।

### टैंक टी -90 के लिए कमांडर थर्मल इमेजिंग साइट

यह उपकरण कवचितटुकड़ियों के कमांडरों को बड़ी हुई दृश्यता और रेंज प्रदान करता है। इससे पहले, टी-90टैंकों में छवि गहनता प्रणाली थी जिसकी अपनी सीमाएं और बाधाएं थीं। इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड द्वारा उत्पादित थर्मल इमेजिंग दृष्टि के उपयोग से इन कमियों को दूर किया गया है।

### रिऑर्डिंग सुविधा के साथ डाउनलैंक उपकरण

यह डाउनलैंक उपकरण हेलीकॉप्टरों को सीमाओं और परिचालन क्षेत्रों की निरंतर टोह और निगरानी करने में मदद करता है। मिशन पर रहते हुए, निगरानी वाला डेटा सिस्टम में दर्ज हो जाता है और केवल तभी एक्सेस किया जा सकता है जब हेलीकॉप्टर बेस पर लौटता है। मैसर्स एक्सीकॉम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से उत्पादित इस उपकरण को उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर पर लगाया जाता है।

### सेमी रगेडाइज्डऑटोमेटिक एक्सचेंज सिस्टममेक-II

भारतीय सेना के पास एक्सचेंज थे जो परिचालन रूप से तैनात यूनितों को लाइन संचार प्रदान करते थे। हालांकि, ग्राहकों की संख्या और डेटा की मात्रा के संदर्भ में सीमाएं थीं जिन्हें संप्रेषित किया जा सकता था। इसके अलावा, उपकरण नवीनतम इंटरनेट प्रोटोकॉल तकनीक के साथ काम नहीं कर सका। कोटद्वार स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा एक नई प्रणाली विकसित की गई है, जो पुरानी प्रणाली की सभी कमियों को दूर करती है।

### अपग्रेडेड रेडियो रिले (फ्रीक्वेंसीहोपिंग)

चुनौतीपूर्ण अग्रिम क्षेत्रों में, जहां कोई लाइन या संचार के अन्य रूप उपलब्ध नहीं हैं, भारतीय सेना को अपनी संचार प्रणाली का विस्तार करना होगा। इस रेडियो रिले प्रणाली के साथ, अग्रवर्ती क्षेत्रों में तैनात सैनिक अपने संचार उपकरण और रेडियो सेट को बहुत लंबी दूरी पर और अब तक की तुलना में अधिक गहराई में संचालित करने की स्थिति में हैं। यह फ्रीक्वेंसी होपिंग तकनीक और अति उच्च क्षमता के साथ एक उन्नत प्रणाली है। इसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है।

### सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा परियोजना

देश के सबसे चुनौतीपूर्ण इलाके और परिचालन क्षेत्रों में से एक सियाचिन ग्लेशियर है। विभिन्न उपकरणों को संचालित करने के लिए क्षेत्र में पूर्ण बिजली की आवश्यकता को कैप्टिव जनरेटर सप्लाई के माध्यम से ही पूरा किया गया था। समग्र ऊर्जा आवश्यकताओं में सुधार करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए एक सौर फोटोवोल्टिक संयंत्र स्थापित किया गया है। परतापुर में इस संयंत्र को रक्षा मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था।

### लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट (एलसीए)

पेंगोंग त्सो झील में नौकाएं चल रही हैं, हालांकि, उनकी सीमित क्षमताएं हैं। लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट बहुत अधिक बहुमुखी है और लॉन्च, गति और क्षमता की सीमाओं को दूर कर चुका है। इसने पूर्वी लद्दाख में जलीय बाधाओं को पार करने की क्षमता को बढ़ाया है। लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट को मैसर्स एक्वेरियस शिप यार्ड लिमिटेड, गोवा द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।

### मिनी रिमोटली पायलेटेड एरियल सिस्टम (आरपीएस)

आरपीएस सामरिक स्तर पर भारतीय वायु सेना के विमानों और हैरोन अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स द्वारा सामना की जाने वाली परिचालन बाधाओं को दूर करता है। यह इन्फैंट्री बटालियन और मशीनीकृत यूनिटों के स्तर पर निगरानी, पहचान और टोही के लिए प्रतिबंधित क्षमता को दूर कर भारतीय सेना को सशक्त बनाता है।

### इन्फैंट्री प्रोटेक्टेड मोबिलिटी व्हीकल (आईपीएमवी)

आईपीएमवी उत्तरी सीमाओं पर तैनात बड़ी संख्या में पैदल सेना के सैनिकों को गतिशीलता और अधिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसे मैसर्स टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड ने बनाया है।

### त्वरित प्रतिक्रिया लड़ाकू वाहन (मध्यम)

पूर्वी लद्दाख में हमारे सैनिकों की बढ़ी हुई गतिशीलता के लिए इन्फैंट्री मोबिलिटी संरक्षित वाहन के साथ दूसरा वाहन त्वरित प्रतिक्रिया लड़ाकू वाहन (मध्यम) है। यह सैनिकों की त्वरित तैनाती की सुविधा प्रदान करता है और बहुत तेज प्रतिक्रिया को सक्षम करेगा। इन वाहनों की खरीद टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड से की गई है। ये उच्च गतिशीलता, बड़ी हुई मारक क्षमता और सुरक्षा के साथ अनुकूलित- वाहन हैं। यह हमारी उत्तरी सीमाओं में व्यावहारिक प्रभुत्व बनाने में सुविधा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर, रक्षा मंत्री ने आवास के पैमाने (एसओए) 2022का भी अनावरण किया, जो रक्षा सेवाओं के लिए सक्रियात्मक, कार्यात्मक, प्रशिक्षण, प्रशासनिक, आवासन और मनोरंजन के लिए निर्माण सुविधाओं हेतुप्राधिकार प्रदान करता है। एसओए 2022स्वच्छ भारत, सुगम्य भारत, डिजिटल इंडिया, ग्रीन बिल्डिंग, सतत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, योग और फिट इंडिया, कार्बन फुटप्रिंट संवर्धन में कमी आदि जैसी सरकारी नीतियों और दृष्टिकोण के अनुरूप है। श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि एसओए 2022के कार्यान्वयन के साथ, समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं/ अवसंरचना और विनिर्देशों में महत्वपूर्ण सुधार होगा और सिविलियनों सहित रक्षा कर्मियों के लिए काम करने और रहने की स्थिति में और सुधार होगा। उन्होंने एसओए 2022को एमईएस की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए एक वसीयत के रूप में वर्णित किया।

श्री राजनाथ सिंह ने पारदर्शिता को बढ़ावा देने, दक्षता निर्माण और सैन्य इंजीनियर सेवाओं (एमईएस) की निहित उत्पादकता को प्रकट करने के लिए ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों की एक श्रृंखला भी शुरू की। इनमें बजट प्रबंधन, उत्पाद अनुमोदन, अनुबंध, कार्यों की जांच एवं उनकी स्थिति और इलेक्ट्रॉनिक कैश बुक शामिल हैं। उन्होंने कहा, "ईआरपी सॉफ्टवेयर विभिन्न उद्योगों के विकास और संस्थानों की दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज लॉन्च किए गए पोर्टल और एप्लिकेशन एमईएस की कार्य कुशलता में वृद्धि करेंगे और समय की बचत करेंगे। यह प्रभावी ई-गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।"

'डिजिटल इंडिया' मिशन को आगे बढ़ाते हुए, रक्षा मंत्री ने 198वीडियो मॉड्यूल लॉन्च किए जो नवीनतम निर्माण तकनीकों, टिकाऊ प्रौद्योगिकियों, अवसंरचना विकास में नए रज्जानों आदि के प्रासंगिक विषयों पर व्यापक जानकारी के आधार से परिपूर्ण हैं। भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी-एन) के तत्वावधान में 'वंदे गुजरात' के शैक्षणिक टेलीविजन चैनल पर इन निदर्शी वीडियो का प्रसारण किया जाएगा। श्री राजनाथ सिंह ने इस तथ्य की सराहना की कि इन वीडियो को इंटरनेट पर भी अपलोड किया जाएगा और व्यापक रूप से लोगों की मदद की जाएगी।

श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय के एक महत्वपूर्ण और उत्तरदायी संगठन के रूप में एमईएस की सराहना की, जो सशस्त्र सेनाओं की अवसंरचनागत आवश्यकताओं को पूरा करता है। उन्होंने एमईएस को पर्दे के पीछे के पात्रों के रूप में वर्णित किया जो फ्रंटलाइन योद्धाओं को एक मजबूत बैकअप प्रदान करने में मदद करते हैं। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार, वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, कर्मचारी समिति के अध्यक्ष के लिए एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख एयर मार्शल बीआर कृष्णा, रक्षा विभाग अनुसंधान एवं विकास के सचिव एवंडीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी, इंजीनियर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ सैन्य एवं असैन्यअधिकारी उपस्थित थे।

**एबीबी/डीएस**